



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 36]

नई दिल्ली, मंगलवार, जनवरी 25, 1983/माघ 5, 1904

No. 36]

NEW DELHI, TUESDAY, JANUARY 25, 1983/MAGHA 5, 1904

इस भाग में निम्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

वाणिज्य संशोधन
अधिसूचना

नई दिल्ली, 25 जनवरी, 1983

का० आ० 47(अ).—केन्द्रीय सरकार, चाय अधि-
नियम, 1953 (1953 वा 29) की धारा 30 की उप-
धारा (4) और (5) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने
हुए, चाय भाण्डागार (अनुज्ञापन) आदेश 1980 का निम्न-
लिखित संशोधन करता है, अर्थात् :—

उक्त आदेश में,

1. खंड 2 में, उप-खंड (ज) के स्थान पर निम्नलिखित
रखा जाएगा, अर्थात् :—

“भाण्डागार” से मेरा उका हुआ गेड या गोदाम अभि-
प्रेत है, जिसमें भण्डारकरण, सम्मिश्रण और पैकिंग
की जाती है,

2. पैरा 3 में, परन्तु के स्थान पर निम्नलिखित
परन्तु रखा जाएगा, अर्थात् :—

“परन्तु यह कि निम्नलिखित की वास्तविकताई अनुज्ञप्ति
अवशेष नहीं होगी,—

(क) चार सौ वर्ग मीटर से कम के ऐसे भाण्डागार
जहां, केवल देश में विक्रय के लिए चाय का

भण्डारकरण, सम्मिश्रण या पैकिंग की जाती है

(ख) तत्काल प्रवृत्त किसी विधि के अधीन स्थापित
किसी न्याय पतन प्राधिकरण के भाण्डागार ;

(ग) हरी पत्ती से चाय का विनिर्माण करने वाले
कारखाने ।”

3. खंड 6 के परन्तु निम्नलिखित खंड, खंड 6 के
रूप में अंतर्स्थापित किया जाएगा, अर्थात् :—

“6क अनुज्ञप्ति का संशोधन

अनुज्ञापन प्राधिकारी, स्वयं या अनुज्ञप्तिधारी के
आवेदन पर, इस आदेश के अधीन मजूर की गई
किसी अनुज्ञप्ति को तैरती रीति में संशोधित कर
सकेगा जो ऐसी अनुज्ञप्ति का, अधिनियम के
उपबंधों या इस आदेश के अन्य उपबंधों या
तत्काल प्रवृत्त किसी अन्य विधि के अनुरूप बनाने
के लिए या अनुज्ञप्ति में किसी गलती या लोप की
पुष्टि करने के लिए आवश्यक है :

परन्तु यह कि जब अनुज्ञप्ति के संशोधन के लिए,
अनुज्ञप्तिधारी द्वारा किया गया कोई आवेदन मजूर नहीं
किया जाता है या जहां अनुज्ञापन प्राधिकारी की यह राय है

कि प्रस्थापित संशोधन, अनुज्ञप्तिधारी के हितों पर प्रतिकूल प्रभाव डालेगा तो इस खंड के अधीन कार्यवाई करने से पूर्व, अनुज्ञप्तिधारी की सुनवाई का उचित अवसर दिया जाएगा।”

4. खंड 9 के उप-खंड (8) में:—

(क) “अनुज्ञप्ति मंजूर करने के पूर्व” शब्दों का जोड़ किया जाएगा ;

(ख) “मंजूर की जानी है” शब्दों के स्थान पर “मंजूर की जानी है/कर दी गई है” शब्द रखे जाएंगे।

5. खंड 10 के उप-खंड (3) के पश्चात् निम्नलिखित नया उप-खंड अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“(4) जहां कोई अनुज्ञप्ति उप-खंड (1) के अधीन निम्नलिखित की जाती है वहां अनुज्ञापन प्राधिकारी या अनुज्ञापन प्राधिकारी द्वारा इस निमित्त प्राधिकृत चाय बोर्ड का कोई अधिकारी, अनुज्ञापन भाण्डागार में प्रवेश कर सकेगा और उसमें भंडार की गई चाय या चाय उत्पाद के स्टॉक को सील कर सकेगा।

(5) ऐसा अनुज्ञप्तिधारी जिसकी अनुज्ञप्ति निम्नलिखित कर दी गई है, अनुज्ञप्ति के निरन्धन की अवधि के दौरान संबंधित भाण्डागार में चाय के भंडारकरण, सम्मिश्रण या पैकिंग के क्रियाकलाप तत्काल बन्द कर देगा।

6. जहां,

(क) निरन्धन के आदेश का प्रतिसंहरण किया जाता है वहां उप-खंड (4) के अधीन सील की गई चाय/उत्पादों का स्टॉक अनुज्ञप्तिधारी को वापस दे दिया जाएगा, या

(ख) अनुज्ञप्ति रद्द कर दी गई है वहां सील की गई चाय या चाय के उत्पादों के स्टॉक को भाण्डागार के स्वामी को इस सलाह के साथ वापस कर दिया जाएगा कि उक्त स्टॉक हटाकर भाण्डागार को ऐसी अवधि के भीतर जो अनुज्ञापन प्राधिकारी नियत करे, खाली कर दे।

6. खंड 14 के उप-खंड (3) के पश्चात् निम्नलिखित उप-खंड (4) के रूप में अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“(4) जहां अनुज्ञापन प्राधिकारी या चाय बोर्ड का कोई अधिकारी उप-खंड (1) के अधीन किसी चाय या चाय के उत्पादन का अभिग्रहण करता है और उसको भाण्डागार के स्वामी की सुरक्षित अभिरक्षा में रखने का विनिश्चय करता है वहां ऐसा प्राधिकारी या अधिकारी, स्टॉक को सील करने के पश्चात् प्ररूप “ग” में उस भाव का आदेश करेगा और स्वामी पर उसकी तामोल करेगा और स्वामी ऐसे आदेश का अनुपालन करेगा।

7. खंड 14 के पश्चात् और प्ररूप “क” के पूर्व निम्नलिखित पैरा खंड 15 के रूप में अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात्:

“15. अनुज्ञप्ति की शर्तों का भंग इस आदेश का उल्लंघन समझा जाना—

यदि कोई अनुज्ञापतिधारी, अनुज्ञप्ति की किसी निबंधनों और शर्तों को भंग करता है तो यह समझा जाएगा कि उसने आदेश के उपबंधों का उल्लंघन किया है”

8. प्ररूप “क” के स्थान पर निम्नलिखित प्ररूप रखा जाएगा, अर्थात्:—

“प्ररूप “क”

(खंड 4 देखें)

चाय भांडागार (अनुज्ञापन) आदेश, 1980
के खण्ड 3 के अधीन अनुज्ञप्ति के लिए आवेदन
मूल प्रति
दूसरी प्रति

सेवा में,

अनुज्ञापन प्राधिकारी,

चाय बोर्ड,

14 बी० टी० एम० सारनी (ब्रबोर्न रोड)

कलकत्ता-1

महोदय,

मैं/हम चाय के भंडारकरण/सम्मिश्रण/पैकिंग बनाने संबंधी क्रियाकलापों के करने के लिए अनुज्ञप्ति के लिए आवेदन करता हूँ/करते हैं। मैं/हम निम्नलिखित आवश्यक विशिष्टियां देता हूँ/दिते हैं:—

(1) आवेदक का पूरा नाम (मोटे अक्षरों में) : (भागीदारी कार्य की दशा में सभी भागीदारों के नाम लिखे जाने चाहिए)-----

(2) पूरा पता (जिम पर पत्र व्यावहार किया जाए)-----

(3) उस भांडागार का पूरा पता जहां आवेदक चाय का/के भंडार रखना/सम्मिश्रण करना/पैकिंग बनाना चाहता है-----

(4) भांडागार का तल क्षेत्र :-----

- (5) लीजे लगाए गए कर्मचारों श्रमिकों की संख्या और प्रवर्ग:-----

- (6) श्रम ठेकेदारों की मार्फत लगाए गए कर्मचारों/श्रमिकों की संख्या और प्रवर्ग -----

- (7) भांडागार स्वामी भांडागार अपने ही लेखे पर या स्वामी से पट्टे पर या अनुज्ञा पर धारण करता है -----

- (8) भांडागार में किए जाने वाले कारबार की प्रकृति (भांडाकरण/सम्मिश्रण/पैकेज तैयार करना आदि) -----

- (9) ऊपर (8) में अधिकृत कार्य उसके लेखे किए जाते हैं या अन्य व्यक्तियों की ओर से किए जाते हैं और यदि हां, तो मालिक (मालिकों) का (के) नाम और पता (पते) : -----

- (9) संदत्त फीस की रकम : -----

2. मैंने/हमने चाय भांडागार (अनुज्ञापन) आदेश, 1980 पढ़ और समझ लिया है और मैं हम उक्त आदेश के उपबन्धों का पालन करने के लिए सहमत हूँ/हैं।

भवदीय,
आवेदक (आवेदकों)
के हस्ताक्षर

स्थान-----

तारीख-----

(जो शब्द लागू न हों उसे काट दें)

टिप्पण 1:—यह आवेदन कंपनियों की दशा में सचिवों के निदेशक या किसी प्राधिकृत अभिकर्ता द्वारा और भागीदारी समुत्थानों की दशा में किसी एक प्राधिकृत भागीदार द्वारा हस्ताक्षरित किया जाना चाहिए और व्यष्टियों की दशा में, हस्ताक्षर के पश्चात् “एकमात्र स्वत्वधारी शब्द लिखे जाने चाहिए।”

टिप्पण 2:—आवेदन अनुज्ञापन प्राधिकारी को दो प्रतियों में भेजा जाना चाहिए।

9. प्ररूप “ख” के स्थान पर निम्नलिखित प्ररूप रखा जाएगा, अर्थात् :-

प्ररूप “ख”

(खण्ड 5 देखिए)

चाय बोर्ड

चाय के भण्डारकरण/सम्मिश्रण/पैकेज बनाने संबंधी क्रियाकलापों के करने के लिए अनुज्ञप्ति

(अनन्तरणीय)

चाय भाण्डागार (अनुज्ञापन) आदेश, 1980 के खंड 5 के अधीन जारी की गई।

14, ब्रिबोन रोड,

(बी० टी० एम० सारणी)

कलकत्ता-1

तारीख -----

अनुज्ञप्ति सं० -----

-----के श्री/सर्वश्री ----- को चाय भाण्डागार (अनुज्ञापन) आदेश, 1980 के निबन्धनों के अनुसार, अनुज्ञप्तिधारी के रूप में चाय के भण्डारकरण/सम्मिश्रण/पैकेज बनाने का कारबार करने के लिए प्राधिकृत किया जाता है।

यह अनुज्ञप्ति 3 दिसम्बर, 19-----तक, जिसमें यह तारीख भी सम्मिलित है, जब तक यह कि चाय भाण्डागार (अनुज्ञापन) आदेश, 1980 के खंड 10 के अधीन उस तारीख से पूर्व रद्द या निलम्बित न कर दी जाए, विधिमान्य है।

यह अनुज्ञप्ति नीचे वर्णित भाण्डागार और स्थान के लिए विधिमान्य है :

भाण्डागार का पता

फर्म का क्षेत्रफल

अध्यक्ष, चाय बोर्ड

अनुज्ञापन प्राधिकरण

(जो लागू न हो उसे काट दें)

10. इस प्रकार प्रतिस्थापित प्ररूप “ख” के पश्चात् निम्नलिखित प्ररूप, प्ररूप ग के रूप में रखा जाएगा अर्थात्:—

प्ररूप “ग”

[खंड 14 (4) देखिए]

चाय बोर्ड

मुझे ऐसा प्रतीत होता है कि आप चाय भाण्डागार (अनुज्ञापन) आदेश, 1980 के खंड 7 का उल्लंघन करते हुए परिसर सं० ----- में चाय के भण्डारकरण/सम्मिश्रण/पैकेज बनाने का क्रियाकलाप कर रहे हैं।

अतः मैं चाय/चाय उत्पाद का अभिग्रहण करता हूँ और उक्त सील किए गए लगभग ————— कि० ग्रा०/चैस्ट/बौरा के स्टॉक को, ऐसे आदेश के अधीन रहते हुए जो तत्पश्चात् उसके निश्चितीकरण में जारी किया जाए। आपकी सुरक्षित अभिरक्षा में रखने का निदेश देता हूँ। बोर्ड किराए के किसी दावे का अन्य किसी प्रकार के लिए या अभिग्रहण की गई और आपकी सुरक्षित अभिरक्षा में सीपी गई चाय के लिए आपको हुई किसी हानि की जिम्मेदारी नहीं लेता है।

स्थान ————— हस्ताक्षर —————
तारीख ————— पदाभिधान —————

माफ़ी

1.

1. —————
नाम

2. —————
पता

2.

1. —————
नाम

2. —————
पता

हस्ताक्षर

उपर्युक्त मूल्य की प्रति प्राप्त की। मैंने उसकी अंतर्वस्तु पढ़ ली है, और इसका पालन करने का करार करता हूँ।

[क्र० सं० क-11012/2/80-प्लॉट ए]
एस० गोपालन, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF COMMERCE

NOTIFICATION

New Delhi, the 25th January, 1983

S.O. 47(E).—In exercise of the powers conferred by sub-sections (3) and (5) of section 30 of the Tea Act, 1953 (29 of 1953), Central Government hereby makes the following amendments to the Tea Warehouses Licensing) Order, 1980, namely:—

In the said Order,

1. In clause 2, for sub-clause (h), the following shall be substituted namely:—

“Warehouses” means a covered shed or godown wherein storing, blending or packaging is done;

2. In paragraph 3, for the proviso, the following proviso shall be substituted namely:—

“Provided that no licence shall be required in respect of,—

(a) warehouses measuring less than four hundred square metres where storing, blending or packing of tea is done exclusively for sale in the domestic market;

(b) warehouses belonging to any Port Trust Authority established under any law for the time being in force;

(c) factories manufacturing tea from green leaf.”

3. After clause 6, the following clause shall inserted as clause 6A, namely:—

“6A—Amendment of Licence:

The Licensing Authority may, of its own accord or on application by the licensee, amend any licence granted under this Order in such manner as may be necessary to make such licence conform to the provisions of the Act or other provisions of this Order or any other law for the time being in force or to rectify any errors or omissions in the licence :

Provided that when an application by the licensee for amendment of the licence is not granted or where the Licensing Authority is of opinion that the proposed amendment will be prejudicial to the interest of the licensee, the licensee shall be given reasonable opportunity of being heard before action under this clause is taken.”

4. in clause 9, in sub-clause (8):—

(a) the words “before granting licence” shall be omitted;

(b) for the words “is to be granted” the words “is to be/has been granted” shall be substituted.

5. In clause 10, after sub-clause (3), the following new sub-clause shall be inserted, namely:—

“(4) where a licence is suspended under sub-clause (1), the Licensing Authority or any officer of the Tea Board authorized in this behalf by the Licensing Authority may enter the licensed warehouse and seal the stocks of tea or tea product stored therein.

(5) A licensee whose licence has been suspended shall forthwith stop the activities of storing, blending or packaging of tea in the concerned warehouse during the period of suspension of the licence.

(6) Where,

(a) the order of suspension is revoked, the stocks of tea/products sealed under sub-clause (4) shall be restored to the licensee or,

(b) the licence has been cancelled, the sealed stocks of tea/tea products shall be restored to the warehouse owner with advice to clear the warehouse of the said stocks within such period as may be fixed in this behalf by the Licensing Authority.”

6. In clause 14, after sub-clause (3), the following sub-clause shall be inserted as sub-clause (4), namely:—

“(4) Where the Licensing Authority or any officer of the Tea Board seizes any tea or product of tea under sub-clause (1) and decides to keep the same in safe custody of the owner of the warehouse, such authority or officer shall, after sealing the stock, make an order to that effect in form ‘C’ and serve the same on the owner and the owner shall comply with such order.”

7. After clause 14, and before Form ‘A’ the following paragraph shall be inserted as clause 15, namely:—

“15. Breach of conditions of licence to be deemed contravention of this Order—If any licensee commits any breach of any of the terms and conditions of the licence he shall be deemed to have contravened the provisions of Order.”

8. For Form ‘A’, the following Form shall be substituted namely:—

“FORM ‘A’

(See clause 4)

Application for licence under Clause 3 of the Tea Warehouses (Licensing) Order, 1980.

ORIGINAL

DUPLICATE

To

The Licensing Authority,
Tea Board,
14, B.T.M. Sarani (Brabourne Road),
Calcutta-1.

Sir,

I/We* apply for licence for carrying on the activities of storing/blending/packaging of tea.

I/We* furnish the necessary particulars below:—

(1) Name of the Applicant (in block letters)

.....
(In case of partnership firm, the names of all partners should be given).

(2) Full address (to which correspondence should be sent).

.....

(3) Full address of the warehouse where the applicant intends to do storing/blending/packaging of tea.

.....

(4) Floor area of the warehouse

(5) Number and category of workers/labour engaged directly.

(6) Number and category of workers/labour engaged through Labour Contractor

(7) Whether the warehouse owner holds the warehouse on his own account or on lease or on permission from the owner

(8) Nature of business (storing/blending/packaging etc.) to be carried out in the warehouse.

(9) Whether the operations stated at (8) above are carried out on his own account or on behalf of other person, and if so, furnish the name and address of the Principal (-).
.....
.....

(10) Amount of fees paid

2. I/We have carefully read and understood the Tea Warehouses (Licensing) Order, 1980, and hereby agree to abide by the provisions of the said Order

Yours faithfully

Signature of the Applicant

Place.....

Date.....

(*score out the words not applicable)

Note 1 :— This application should be signed, in the case of companies by a Director or Secretaries or an authorised agent and in the case of partnership concerns by one of the authorised partners, and in the case of individuals the words ‘Sole Proprietor’ should be appended after signature.

Note 2 :— The application should be sent to the Licensing Authority in duplicate.”

9. For Form ‘B’ the following Form shall be substituted namely:—

“FORM ‘B’

(See clause 5)

TEA BOARD

Licence for carrying on the activities of Storing Blending/Packaging of Tea.

(Not Transferable)

Issued under clause 5 of the Tea Warehouses (Licensing) Order, 1980.

14, Brabourne Road
(B. T. M. Sarani)
Calcutta-1.

Dated.....

Licence No.....

Shri/Sarvashri*
 of.....
 is/are* hereby authorised to carry on the business of
 storing/blending/packaging of tea as a Licensee in
 terms of the Tea Warehouse (Licensing) Order, 1980.

This license is valid upto and including 31st Decem-
 ber, 19.... unless cancelled or suspended before
 that date under clause 10 of the Tea Warehouses
 (Licensing) Order, 1980.

This license is valid for the Warehouse and space
 mentioned below:—

Warehouse address Floor area

Chairman,
 Tea Board,
 Licensing Authority.

(*score out the words not applicable)

10. After Form 'B' as substituted, the following
 Form shall be added as Form 'C' namely:—

FORM 'C'

[See clause 14(4)]

TEA BROAD

Whereas it appears to me that you have been in
 contravention of clause..... of
 the Tea Warehouses (Licensing) Order, 1980, carry-
 ing on the activities of storing/blending/packaging of
 tea in premises No.....

Now, therefore, I seize the tea/tea product and
 hereby direct you to keep in your safe custody the
 said sealed stock of about
 Kilos/chests/bags subject to such order as may sub-
 sequently be issued in relaxation thereto. The Board
 do not hold themselves liable for any claim for rent
 or any other charges or for any loss you may sustain
 for the tea seized and handed over to you for safe
 custody.

Place.....

Date.....

Signature

Designation.....

Witness

1.....

(Name)

(Address)

(Signature)

2.....;.....

(Name)

(Address)

(Signature)

Received the original of the above, I have read
 the contents and agree to abide by it."

[File No. K-11012/2/80-Plant 'A']

S. GOPALAN, Jt. Secy.

25th Jan. 1983